अज़ तेरी कल मेरी वारी आएगी

अज़ तेरी, कल मेरी, वारी आएगी।
हे माँ झण्डेवाली, सब पे कर्म कमाएगी॥
*अंधेर नहीं होगा, देर लग जाएगी।
माँ झण्डेवाली, सब पे कर्म कमाएगी।
अज़ तेरी, कल मेरी, वारी आएगी xII
हिम्मत रख, भरोसा रख xII
क्यों है दुखों से चूर, वारी आएगी जरूर।

लाखों करोड़ों हैं दर से, मांगने वाले।
तूँ भी आ के अपनी, झोली फैला ले॥
*मेहरांवाली अम्बे, माँ मेहर करेगी।
संकट सबके टालेगी, ना देर करेगी।
कर देगी, वर दाती, *खुशिओं से भरपूर,
वारी आएगी जरूर xII
हिम्मत रख, भरोसा रख xII

उसके दर पे होती, सबकी सुनवाई।
कभी किसी की अर्ज़ी, माँ ने ना ठुकराई।
*उसके आगे, समय का चलता, फेर नहीं है।
देर भले हो जाए, पर अंधेर नहीं है।
सुनने को, तेरी बिनती, *हो जाएगी मज़बूर,
वारी आएगी जरूर xII
हिम्मत रख, भरोसा रख xII

जग में तुमसे ज्यादा, कोई सुखी नहीं है।
कौन है चंचल जग में, जो दुःखी नहीं है।
*दुःख सुख के तो, चारों ओर लगे हैं मेले।
इस के, चक्र में तो, हम ही नहीं अकेले।
धुप और छाँव, रहेंगे सदा, *यह जग का दस्तूर,
वारी आएगी जरूर xII
हिम्मत रख, भरोसा रख xII
क्यों है दुखों से चूर, वारी आएगी जरूर।

अपलोडर- अनिलरामूर्तिभोपाल

स्वर : नरेन्द्र चंचल

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/23075/title/ajj-teri-kal-meri-bari-ayegi

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |